



धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

रांची और धनबाट से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ



पाकिस्तान के रक्षा  
मंत्री का खोफ  
सामने आया, कहा

- रक्षा मंत्री खवाजा असिफ के बयान से पाक में खलबली, अलर्ट गोड पर सेना
- पाकाणु हथियारों के जटीरे का इस्तमाल करने की दी घेतापनी।

एजेंसी



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खवाजा असिफ ने भारत के सेव्य हमले के डर को कबूल कर लिया है। रक्षा मंत्री के बयान से पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खवाजा

मुहम्मद असिफ ने कहा है कि भारत कभी भी पहलगाम आंतरंग हमले के खिलाफ बदले के कार्रवाई कर सकता है। भारत की तैयारियों से ऐसा ही लग रहा है। उन्होंने कहा कि इस संकट को देखते हुए पाकिस्तान ने भी सीमा पर सेना की तैनाती बढ़ा दी है और उन्हें अलर्ट मोड में रखने की कहा गया है। असिफ ने कहा कि आंतरिक बंकरों में रोज नवी पिराट आ रही और अगर हमारे अस्तित्व पर खतरा पैदा होता है, तो ही हम पामाणु हथियारों के जखीरे का इस्तेमाल करेंगे।

**पाक में खलबली, अलर्ट पर सेना :** इंटरट्यू में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खवाजा मोहम्मद असिफ ने कहा कि पिछले साल कई सैलनियों पर हमले के बाद दोनों पारमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों के बीच तनाव बढ़ गया है। खाजा असिफ इससे पहले अपने एक बयान के जरिए सार्वजनिक रूप से कश्तु द्युषित है कि पाकिस्तान सरकार तीन दशकों से आतंकी संगठनों को समर्थन और प्रशिक्षण देने का गंदा काम करती आयी है।

**लॉयिंग पैड खाली कर आंतकियों को बंकरों में छिया रहा पाकिस्तान आंतकी हमले के बाद भारत की खवाजा कार्रवाई के डर से पाकिस्तानी सेना ने पाक अधिकृत कमीशे से आंतकी लॉयिंग पैड खाली करना शुरू कर आंतकियों को बंकरों में छिया करा रहा है। खुफिया इन्स्ट्रुमेंट से संकेत मिलता है कि कछो बाले कशीरी में केत, सरदी, दुमिनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा, पच्चीबन, फॉरेवर्ड कहुता, काट्टीली, खुरद्दा, मंधार, निकेल, चमनकोट और जानकोट सहित प्रमुख स्थानों से आंतकियों को खाली करना आसानतरित किया जा रहा है।**

भारत और फ्रांस के बीच ₹63 हजार करोड़ का हुआ सौदा

## भारतीय नौसेना को मिलेंगे

## 26 राफेल-एम फाइटर जेट

एजेंसी



राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खट्टीद के लिए दोनों देशों के अधिकारी

### केंद्रीय कैबिनेट समिति ने मेगा डील को दी थी मंजूरी

सुरक्षा मामलों की केंद्रीय कैबिनेट समिति ने इसी माह 9 अप्रैल को फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों का अनुबंध के तहत सीधे पर हुई थी। इसके बाद भारतीय नौसेना को मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 63 हजार करोड़ रुपये का हुआ जिस पर दोनों देशों ने हस्ताक्षर किये। डील के तहत फ्रांस भारतीय नौसेना को मरीन (एस) एंट्री के 26 राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करेगा। इस डील पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के सशस्त्र सेना मंत्री सेवारिस्टिन लोकेन्टु ने हस्ताक्षर किए। नवी दिल्ली में राजदूत के बीच हुए इस सोने से भारतीय नौसेना के लिए लड़ाकू ताकान और ज्यादा मानवतावान होगा। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन भी मौजूद थे।

सैदे के मुताबिक फ्रांस भारतीय नौसेना को 26 राफेल मरीन फाइटर जेट की लिए विमानों की डिलीवरी भी की जाएगी। ये विमान ड्रेनिंग के लिए जाएंगी। फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे। इसके अलावा नौसेना को चार द्विनिंग रेंजर विमानों की डिलीवरी भी की जाएगी। इसके चलते पाकिस्तान में काफी बैचेंगी हैं।

फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे। इसके अलावा नौसेना को चार द्विनिंग रेंजर विमानों की डिलीवरी भी की जाएगी। ये विमान ड्रेनिंग के लिए जाएंगी। फाइटर जेट सिंगल-सीटर होंगे। यह सौदा ऐसे स्थिर में हुआ है जब भारत ने आंतकवाद के खिलाफ साफल्य रखा था। इसके चलते पाकिस्तान में काफी बैचेंगी हैं।

भी उड़ान भरेंगे। यह सौदा ऐसे स्थिर में हुआ है जब भारत ने आंतकवाद के खिलाफ साफल्य रखा था। इसके बाद भारतीय नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए बोंबांग एफए-18 सुपर हॉनेट की जगह फ्रांसीसी राफेल मरीन को चुना गया है। राफेल बनाने वाली कंपनी डॉसॉर्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल-एम भारतीय नौसेना के युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूरोपी द्वारा किया जाता है। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

पाकिस्तान की जगह नौसेना को युद्धोंप्रति आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल







# मज़िआंव में बजरंग दल की आक्रोश ईली पाकिस्तान का पुतला जलाकर जताया विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

मज़िआंव। कश्मीर के पहलांगव में आंकड़ादियों द्वारा निरोप लोगों की नृशंस हत्या में रविवार देर शाम बजरंग दल के नेतृत्व में मज़िआंव में आक्रोश ईली निकाली गई। प्रखंड संयोजक अभियन्य सिंह



का हन्ह हआ तो खून बहेगा सड़कों पर जैसे तीखे नार लगाए। बस स्टैट लौटने के बाद तीनमुहान पर बाकिस्तान का पुतला एवं झंडा जलाकर विरोध प्रक्रिया गया। मुख्य अधिकारी के रूप में उपरिषदी विश्वविद्यू परिषद के जिला महामंत्री सोनू सिंह ने कहा कि यह प्रदर्शन आंकड़ादियों और ईली जी यह काम करो, जिहादियों को साफ करो, हिंदू हिंतों

## पापी पाक!

**पा** किस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। सबल वह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? पाक ने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी नियन्त्रित किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की वज्र स्वीकारेकि भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन अरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की सालिलता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनेकों ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता ज़ा-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमलों के बाद भारतीय कर्वाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्खने तथा कशीर मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय करण जैसे अन्य-शानाम बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में समाप्त आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनीतिक गला काढने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनीतिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैयार है निश्चित ही यह राजनीतिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बाती है कि कैसे पाक सेना के उच्चायोगी एक जिला संघठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानीयों में भारतीयों के प्रति भरी धूम ही उत्तरागर होती है। क्या ज़ेहाइदियों के संरक्षक पाक पर कड़ी कार्रवाई करना भारत का अधिकार और भविष्य नहीं है?

## आज का सारिफल

**मेष :** अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कृष्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बद्द बचा ही जाए तो तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरकार कार्य संपन्न हो जाएगा। धर्म-कर्म कार्य संपन्न हो सकता है। ज्ञान-कार्य-1-4-6

**वृष :** महत्वपूर्ण निषंख के लिए दूरदर्शित से काम लें। कोष में कमी व व्यव की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक के कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्यवकारी सिद्ध होगा। शुभांक-1-4-6

**मिथुन :** परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रयंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दें। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अप्याय ठीक नहीं रहेगा। स्वास्थ्य के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सत्त्वपूर्वक धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-4-7-9

**वृश्चिक :** दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रयंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में विश्वासी ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

**कर्क :** सामाजिक मान-सम्पादन बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बन लेंगे। अपने हित के काम सुबूत सहयोग नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

**कर्क :** सामाजिक मान-सम्पादन बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बन लेंगे। अपने हित के काम सुबूत सहयोग नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-6-8

**सिंह :** अपने काम में सुविधा प्रियजनों ने प्राप्त होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ाने के आसार रहेंगे। अपने काम को

**संस्थापक**  
स्व. डॉ अभ्यु कुमार सिंह  
स्वामित्व वृन्दा मिडिया  
पब्लिकेशन्स  
प्राइवेट लिमिटेड के लिए  
मुद्रक, प्रकाशक  
मंजू सिंह

द्वारा विराजी, बोडेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।  
प्रधान संपादक  
सौरभ कुमार सिंह  
संपादक  
अविनाश ठाकुर\*

फोन : 95708-48433  
पिन: -834006  
e-mail  
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.  
JHAHIN/2013/51797  
धनबाद कार्यालय

लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।  
(R.N.I No. आवेदित)

\*पीआरबी एक के अंतर्गत ख्वाबों के चयन के लिए उत्तरदायी।  
प्रकाशित ख्वाबों से संबंधित किसी भी चयावद का निपटारा रोचा न्यायालय में ही होगा। शुभांक-3-6-9-7

## अभियांत्रिकि



## शिक्षा का अर्थ

शिक्षा का अर्थ के बाले एक निश्चित पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों तक पहुंचाना नहीं होता, बल्कि नैतिकता का पाठ भी पढ़ाना होता है। भारतीय शिक्षा पहली का आधार नैतिक दायित्व की रुद्धि है। तथाकथित इंडियन मुजाहिदीन ने देश भर में बम विस्फोट किए। इसमें दिल्ली में 2005 में हुए धमाके (जिनमें 62 जाने गई), जयपुर में 2008 में हुए धमाके (63 मौतें) और 2008 में दिल्ली में ही फिर हुए बम धमाके (20 लोगों की मौत) शामिल थे।

-अनूप कुमार, रंची

## किसानों की नाराजगी

भारतीय किसान यूनियन और पंजाब सरकार के बीच टकराव का उल्लेख है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों की मांगों के प्रति सहायता रुद्धि नहीं देता। इसका ब्योरा अपको सातउ परियांज पोर्टल पर मिल जाएगा। मैं दिल्ली और जयपुर बम धमाकों के अलावा कुछ चुनिंदा घटनाएं याद दिलाता हूं, जहां इक्का-दुक्का आतंकीयों को छोड़कर मरने वाले लगभग सभी हिंदू थे: दिल्ली बस हमला (1983, 6 मृत), फोड़बाद बस हमला (1987, 34 मृत), रुद्रपुर रामलीला बम धमाका (1991, 41 मृत), लुधियान ट्रेन हत्याकांड (1991, 125 मृत)। इसके अलावा 1993 में चेन्नई आईएसएम कार्यालय में 11 लोग, 1996 में लाजपत नगर धमाकों में 13 लोग, 1998 में राजस्थान के दोसा धमाकों में 14 लोग, 1999 में कोवैंटरूर धमाकों में 58 लोग, मार्च और नवंबर 2002 में जम्मू के रुद्धानाथ मंदिर में 12 और 14 लोग, 2002 में अक्षराया मंदिर में विस्फोट में 33 लोग, 2003 में अफजलगढ़ रामलीला बम धमाकों में 15 लोग भरे गए थे।

ये सैकड़ों हमलों में से बस कुछ हैं। इसमें मुंबई लोकल में हुए सिलसिलेवार धमाके और 26/11 का आतंकी रुद्धि हो रही है प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हिंदुओं को मारना। वे बाहत हैं कि हिंदू उग्र हों और अपने देश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाएं। इन्हाँ नी ही इससे गर्त में पड़ी पाकिस्तानी सेना की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। मैं आपको 1993 के बंबई धमाके याद दिलाता हूं।

ये सैकड़ों हमलों में से बस कुछ हैं। इसमें मुंबई लोकल में हुए सिलसिलेवार धमाके और 26/11 का आतंकी हमला शामिल नहीं। कहने का अर्थ है कि आईएसएम की रुद्धियां ही प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हिंदुओं को मारना। वे बाहत हैं कि ज़ाराखंड के नेतृत्व वाली अपनी ही सारकर बर्वास्त कर राष्ट्रपति निशाना बनाएं। इन्हाँ नी ही इससे गर्त में पड़ी पाकिस्तानी सेना की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। मैं आपको 1993 के बंबई धमाकों वाले मार दिलाता हूं। धमाके से पहले वाली शायम को 13 लोग, 1998 में राजस्थान के दोसा धमाकों में 14 लोग, 1999 में कोवैंटरूर धमाकों में 58 लोग, मार्च और नवंबर 2002 में जम्मू के रुद्धानाथ मंदिर में 12 और 14 लोग, 2002 में अक्षराया मंदिर में विस्फोट में 33 लोग, 2003 में अफजलगढ़ रामलीला बम धमाका (1991, 41 मृत), लुधियान ट्रेन हत्याकांड (1991, 125 मृत)। इसके अलावा 1993 में चेन्नई आईएसएम कार्यालय में 11 लोग, 1996 में लाजपत नगर धमाकों में 13 लोग, 1998 में कोवैंटरूर धमाकों में 14 लोग, 1999 में राजस्थान के दोसा धमाकों में 15 लोग भरे गए थे।

- संजय सेठ, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री

पहलगाम के दुखद व दुर्दात आतंकी हमलों के बाद जहां देश आक्रोश में है और पीपों मोदीजी (सरकारेला) की बेटी का ब्रेन वाश किया। फिर उसका धर्म-परिवर्तन कर, नाम बदल कर बंगाल में निकाल कर लिया। पैंजाब में दरबार सिंह के नेतृत्व वाले लगभग सभी हिंदू थे: दिल्ली बस हमला (1983, 6 मृत), फोड़बाद बस हमला (1987, 34 मृत), रुद्रपुर रामलीला बम धमाका (1991, 41 मृत), लुधियान ट्रेन हत्याकांड (1991, 125 मृत)। इसके अलावा 1993 में चेन्नई आईएसएम कार्यालय में 11 लोग, 1996 में लाजपत नगर धमाकों में 13 लोग, 1998 में कोवैंटरूर धमाकों में 14 लोग, 1999 में राजस्थान के दोसा धमाकों में 15 लोग भरे गए थे।

- सुधांशु विवेदी, संसद











